विषय-सूची।

विषय	पृ०
प्राक्कथन—	
१–जिनेन्द्र व जैन	१
२–प्रारम्भिक इतिहास	२
३–जैनधर्मके संस्थापक ऋषभदेव	३
४–भागवत्में ऋषभका अवतार	५
५–ऋग्वेदमें ऋषभ	७
६–ऋषभ जैनोंके मूल पुरुष हैं	९
७–पार्श्वनाथजी संस्थापक नहीं है	१०
८–सिंधुके पुरातत्वमें जैनधर्म	११
९–सुमेर लोग और जैनधर्म	१३
१०–जैनदेवता मोहन जोदड़ोमें	१५
११–भारतीय पुरातत्वमें तीर्थंकर	१७
१२–उपरान्तकालमें	१८
१३–भगवान महावीर	२१
१४–अन्य राजा	२२
१५–वांछा खंड	२४
१–विजयनगर साम्राज्यका इतिहास–प्रथम संगम राजवंश और जैनधर्म—	
१–भारतकी पूर्व स्थिति	२८
२–विजयनगर राज्यकी भौगोलिक स्थिति	२९
३–राजनैतिक स्थिति	३०

विषय	पृ०
४–विजयनगर राज्यकी स्थापना	३२
५–विजयनगरका प्रथम राजवंश (काकतीय नहीं)	३४
६–काकतीयवंशसे भी नहीं	३५
७–वल्लालवंशसे सम्बन्ध	३५
८–संगम (यादव) राजवंश	३६
९–संगम नरेश	३६
१०–मूलवास और विजयनगर	३८
११–विजयनगरका वैभव	४०
१२–हरिहर प्रथम	४१
१३–हरिहरके शासनमें जैनधर्म	४३
१४–बुक्कराय प्रथम	४३
१५–जैनोंका संरक्षण	४४
१६–वैष्णवों और जैनोंमें संधि	४५
१७–राष्ट्रीयसंगठन और मतसं०	४७
१८–हरिहर द्वितीय	४८
१९–हरिहर द्वि० के धर्मकार्य	४९
२०–बुक्क द्वि० व देवराय प्रथम	५०
२१–देवरायका दैनिक जीवन	५०
२२–देवराय व जैनधर्म	५१
२३–विजयराय	५२
२४–महान् शासक देवराय द्वि०	५३
२५–युद्ध और शासन प्रबन्ध	५३
२६–विदेशी यात्री	५४

विषय	पृ०
२७–देवराय द्वि० व जैनधर्म	५५
२८–मल्लिकार्जुन व विरुपाक्ष	५६
२९–संगम राजवंश वृक्ष	५८
२–विजयनगरके सालुव अर्थ अन्य राजवंश और उनके शासनकालमें जैनधर्म–	
१–संगम व सालुव राजवंश	५९
२–सालुववंश व जैनधर्म	५९
३–इम्मादी नरसिंह	६०
४–तुलुव नरेश नरसिंह	६०
५–कृष्णदेवराय	६१
६–कृष्णदेवराय और जैनधर्म	६२
७–वादीन्द्र विद्यानन्द	६३
८–अच्युत अच्युत	६३
९–अच्युत और सदाशिव	६४
१०–सदाशिवका शासन	६५
११–रामराय (आरविड वंश)	६५
१२–सार्वभौमिक पतन	६६
३–विजयनगरका शासन व्यवस्था तथा सामन्तों और कर्मचारियोंमें जैनधर्म ।	
१–हिन्दू संगठन	६८
२–सम्राट् और मंत्र मंडप	६८
३–मंत्री मंडप का अंतर रूप	६९
४–शासन विभाग	७०
५–ग्राम व्यवस्था	७१
६–राज्यकर व व्यापार	७२
७–नागरिकोंके आदर्श कार्य	७४

विषय	पृ०
८–धार्मिक सहिष्णुता	७५
९–समाज व्यवस्था	७६
१०–स्त्री समाज	७७
११–जैन संघ व्यवस्था	७८
१२–जैन मुनियोंका चारित्र	७९
१३–मुनियोंका महान् व्यक्तित्व	८०
१४–आर्यिकायें	८१
१५–श्रावक श्राविकायें	८२
१६–साम्प्रदायिक विद्वेष और पारस्परिक प्रभाव	८४
१७–मान्त्रीय शासक जैनी थे	८६
१८–विजयनगरके राजकुमार और जैनधर्म	८७
१९–विजयनगरके सामन्त और जैनधर्म	८७
२०–कङ्कुत्व एवं कङ्कुत्व वंशके जैन शासक	८८
२१–राजमंत्री चेन्न बोम्मण	८९
२२–दंडाधिप मङ्गरस	८९
२३–संगीतपुरके सालुवनरेश और जैनधर्म	९०
२४–राजमन्त्री पद्म	९२
२५–सालुव मल्लिरायादि जैनधर्मके आश्रयदाता	९२
२६–गुरुराय और भैरव नरेश जैनधर्म प्रभावक थे	९३
२७–जेरसोप्पेके शासकगण और जैनधर्म	९४

विषय	पृ०
२८–इम्मडि देवराय अडेयर	९४
२९–कारकलके भैरस शासक और जैनधर्म	९६
३०–इनसोगेके भट्टारकगण	९८
३१–शासनकर्ता काललदेवी	९९
३२–राजा इम्मडि भैरवेन्द्र और जैनधर्म	९९
३३–भैरव अरसुन नरेशोंके धर्म कृत्य	१०१
३४–अवशेष सामंत और जैन धर्म	१०२
३५–स्तवनिधिके सामन्त जैनधर्म प्रभावक	१०३
३६–आवालॅताडके महाप्रभु और जैनधर्म	१०४
३७–कुप्पटूरके शासक और जैनधर्म	१०६
३८–सावन्त मुद्दप्प	१०७
३९–गोप महाप्रभु	१०७
४०–करियप्प दंडनायक	१०८
४१–रामनायक	१०८
४२–विजयनगरके अनेक सेनापति और राजमन्त्री जैन थे	१०९
४३–राजमंत्री इरुगप्प	११०
४४–सेनापति बैचप्प और इरुगप्प	१११
४५–मूलसंघ–सिंहसंघ बलात्कारगण सारस्वतगच्छ	११३
४६–दण्डेश बैचप्प	११५
४७–कुचिराज प्रधान आदि राजकर्मचारी	११५
४८–कम्पणगोड और जैनधर्म	११६
४९–जनताका धर्म और केन्द्र स्थान	११६
५०–श्रवणबेलगोला	११७
५१–लोकप्पा तीर्थ	१२०
५२–कुप्पटूट	१२२
५३–स्तवनिधि	१२४
५४–उद्धर	१२६
५५–सेनापति सिरियण्ण	१२७
५६–'उद्धर वंश' गुरु परंपरा	१२७
५७–हुलिगेरे	१२८
५८–रामदुर्ग और दानचुलप्पाडु	१२९
५९–गृङ्गरि व नरसिंह राजपुर	१३०
६०–'पार्श्ववस्ती' मंदिर	१३०
६१–जिनेन्द्र मंगलम्	१३०
६२–वारुकुरन मुल्कि आदि केंद्र	१३१
६३–कारकल	१३२
६४–बेलूर	१३४
६५–तत्कालीन जैन साहित्य और कला	१३६
६६–दक्षिणभारतके जैनाचार्य	१३६
६७–कन्नड व अन्य भाषायें	१३६
६८–संस्कृत भाषा साहित्य	१३७
६९–कन्नड साहित्य और जैन कविगण	१३९
७०–जैनधर्म पतनके कारण	१४०